gram nov 12.pdf

(हिन्दी दैनिक) R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, शनिवार, 12 नवम्बर 2022 मूल्य : 1 रुपये पृष्ठ - 8

फसल अवशेष प्रबंधन पर चलाया जागरूकता अभियान, कृषक-वैज्ञानिकों ने गांव स्तरीय निकाली जागरूकता रैली

दि ग्राम टुडे, संवाददाता।

(केपी सिंह)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम संभर-मुरीदपुर में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं । जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है।इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम प्रकाश ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। इसी क्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है।इस कार्यक्रम में गांव के किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। एवं खेती किसानी, पशुपालन तथा बागवानी से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान रामबालक जी ने की। कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई। जिसमें किसानों ने शपथ ली कि फसल अवशेषों को आग नहीं लगाएंगे। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक जितेंद्र कुमार, बानेश्वर, राम पाल, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण कानपुर 12/11/2022

फसल अवशेष प्रबंधन पर निकाली जागरूकता रैली

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन पर रैली निकालकर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मृदा विज्ञानी डा. खलील खान ने किसानों को बताया कि किसान पराली को खेतों में मिलाकर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं। वि.

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

शुक्रवार 11 नवंबर 2022 | अंक - 298

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY E-PAPER

कानपुर:फसल अवशेष प्रबंधन पर चलाया जागरूकता अभियान

कृषक-वैज्ञानिकों ने गांव स्तरीय निकाली जागरूकता रैली

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम संभर-मुरीदपुर में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम प्रकाश ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। इसी क्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर,सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है इस कार्यक्रम में गांव के किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। एवं खेती किसानी, पशुपालन तथा बागवानी से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान रामबालक जी ने की। कार्यक्रम के अंत में गांव में एक फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली भी निकाली गई। जिसमें किसानों ने शपथ ली कि फसल अवशेषों को आग नहीं लगाएंगे। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक जितेंद्र कुमार, बानेश्वर, राम पाल, सियाराम एवं मुन्नीलाल सहित एक सैकड़ा किसान उपस्थित रहे।

gram nov 12.pdf

(हिन्दी दैनिक) R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

देहरादून, शनिवार, 12 नवम्बर 2022

मशरूम उत्पादन के माध्यम से आत्मनिर्भर बनेंगे प्रशिक्षु, 14 नवंबर से छह दिवसीय प्रशिक्षण का होगा शुभारंभ

दि ग्राम टुडे, संवाददाता।
(सत्येंद्र कुमार)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 14 से 19 नवंबर 2022 तक आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए उत्तम अवसर है। डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष किया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने

के लिए रुपया 1000/- पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पासपोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को अलग से शुल्क देना होगा। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसी भी किसान भाई को अधिक जानकारी के लिए 9369060041, 9335764410 एवं 9005397004 फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

कृषक-वैज्ञानिकों ने गांव स्तरीय निकाली जागरूकता रैली

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम संभर-मुरीदपुर में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि किसान भाई पराली को खेतों में मिलाएं तथा खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएं एवं अपनी पराली में बिल्कुल भी आग न लगाएं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है एवं आवश्यक पोषक तत्वों का नुकसान होता है इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम प्रकाश ने बताया कि फसल अवशेष हमारे खेतों के लिए भोजन का काम करते हैं। जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ उस में उत्पादित उपज की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। इसी क्रम में वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा बताया गया कि फसल अवशेष प्रबंधन की कई मशीनें हैं जो पराली को आसानी से खेत में मिला सकते हैं तथा वेस्ट डी कंपोजर द्वारा फसल कम समय में पराली को सड़ा कर आगामी फसल बोई जा सकती है। यह मशीनें हैप्पी सीडर, सुपर सीडर एवं मल्चर आदि है।

DT दीनार टाइम्स

14 नवंबर से मशरूम उत्पादन का छह दिवसीय प्रशिक्षण

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 14 से 19 नवंबर 2022 तक आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए उत्तम अवसर है। डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष किया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए रुपया 1000/- पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पासपोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को अलग से शुल्क देना होगा। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसी भी किसान भाई को अधिक जानकारी के लिए 9369060041,933-5764410 एवं 9005397004 फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

मशरूम उत्पादन के जरिए आत्मनिर्भर बनेंगे प्रशिक्षु

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 14 से 19 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए उत्तम अवसर है। डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष किया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए रुपया 1000/- पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पासपोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को अलग से शुल्क देना होगा। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 12 नवम्बर • 2022

संक्षिप्त खबरें

सीएसए में मशरूम शिक्षण कार्यक्रम 14 से

नपुर। सीएसए कृषि एवं ोगिकी विवि के मशरूम शोध एवं ास केन्द्र में छह दिवसीय मशरूम क्षण कार्यक्रम 14 नवम्वर से योजित किये जायेंगे। मशरूम शोध द्र के नोडल अधिकारी डॉ. एसके वास ने वताया कि किसान व जगार युवक प्रशिक्षण प्राप्त कर रूम उत्पादन को रोजगार का यम वना सकते हैं। प्रशिक्षण के ान विभिन्न किस्मों के मशरूम ादन के प्रयोग भी कराये जायेंगे। त्र मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान अनुसार प्रशिक्षण के लिए भागियों को ₹ 1000 अदा कर ोकरण कराना होगा। वाहर से आने ों को विवि परिसर में रुकने के ए अलग से शुल्क देना होगा। ुक लोग फोन नंवर 69060041, 9335764410 व 05397004 पर संपर्क कर तृत जानकारी ले सकते हैं।